बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

सुबह ९:०० से १२:००] (रविवार, २० जुलाई, २००३) कुल अंक : १००

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाए गए हैं।

(विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्र. १. निम्न में से किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन-तीन प्रमाण दीजिए। ६

१. परब्रह्म को तत्त्वसहित पहचानना - अक्षरब्रह्म की आवश्यकता ।
२. श्रीजीमहाराज की सर्वोपरीता - श्रीमुख के वचनों पर आधारित ।
३. कर्ताहर्ता समझने की आवश्यकता ।
४. साकार स्वरूप में महाराज की रूची ।

प्र. २. प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । ५

१. अषाढी मेघे आवी कर्या रे, झाझां.....
२. अर्जुने युक्त हो तब 'नरनारायण' के नाम से पहचानना ।
३. 'भगवान को तो आकार नहीं है ।' -ऐसा समझनेवाले की समझ विपरीत है ।
४. 'साहब का घर संतनमांही, संत साहब कछु अंतर नाहीं ।'
५. ब्रह्मरूप होकर जो परब्रह्म की भक्ति नहीं करता है तो वह भी आत्यंतिक कल्याण को प्राप्त नहीं करता है ऐसा कहना ।

प्र. ३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । ४

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भगवान साकार है क्योंकि
(अ) ब्रह्मादिक सृष्टि साकार है ।
(ब) भगवान देखते हैं ।
(क) भजन करनेवाला साकार है ।
(ड) मूर्ति के बिना तेज होता नहीं, इसलिये ।

२. अक्षरब्रह्म के स्वरूप
(अ) चिदाकाश रूपमें ।
(ब) धाम के रूपमें ।
(क) मनुष्य देहधारी ।
(ड) धाम में सेवक रूपमें ।

प्र. ४. निम्न में से किन्हीं एक का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें। (बारह पंक्ति में) ४

१. ''लड़का ! भगवान को तोल मत ।''
२. मुक्तानंद स्वामी को शांति हुई ।
३. रघुवीरजी महाराज की ग्रंथियाँ पिघल गई ।

प्र. ५. किन्हीं दो के बारे में विवरण कीजिए। (बारह पंक्ति में) ८

१. दिव्य भाव समझने की आवश्यकता ।
२. प्रगट भक्ति की महिमा ।
३. अनन्य निष्ठा के बावजूद सर्व का आदर ।
४. श्रीजीमहाराज द्वारा कही गई गुणातीतानंद स्वामी की असाधारण महिमा ।

प्र. ६. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) ८

१. केशवजीवनदास को गुणातीतानंद स्वामी के अक्षरत्व की पक्की निष्ठा हुई ।
२. उपासना समझने की आवश्यकता है ।
३. प्रमुखस्वामी महाराज श्रीहरि से मिले हुए हैं, ऐसा कहा जाता है ।
४. महाराज ने नित्यानंद स्वामी से कहा कि उपासक तो ऐसे ही होते हैं ।

प्र. ७. उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । ८

(उपासना में क्या समझना ?)

१. इस लोक में से ..... सम्यक् प्रकार से प्रकट है ।
२. हमारी उपासना ..... दो चरण की ही है ।
३. जीव, ईश्वर..... अनादि है ।
४. दूसरे अवतार ..... स्पष्ट भेद है ।
५. श्रीजीमहाराज ..... प्रगट और दिव्य है ।

(उपासना में क्या नहीं समझना ?)

१. वचनामृतादि सतशास्त्रों का ..... हो सकता है, ऐसा नहीं समझना ।

२. *आज्ञा का पालन किये बिना ..... हो सकता है, ऐसा नहीं समझना ।*

३. *सद्. गुणातीतानंद स्वामी ..... हो सके, ऐसा नहीं समझना ।*

प्र. ८. *पूजा की मूर्ति या दीक्षा देने का अधिकार सिर्फ आचार्य का है ? समझाईए ।* ५

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग- ३ तथा युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज)

प्र. ९. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । ६

१. *''कुछ बचा है, आज तो मुझे भी बहुत भूख लगी है ।''*

२. *''तेरे जीव के सामने देखता हूँ तो आधा सत्संग रहा है ।''*

३. *''भाई, हरि के जन तो सबको होना है ।''*

प्र. १०. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) ६

१. *मुक्तानंद स्वामी नाक-कान कटाने के लिये तैयार हुए ।*

२. *रघुवीरजी महाराज ने खुद रोटी बनाई ।*

३. *निष्कुलानंद स्वामी स्त्रीओं की सभा में गये नहीं ।*

४. *दारेसलाम एरपोर्ट के अधिकारी आश्चर्यचकित हो गये ।*

प्र. ११. निम्न विषय पर मुद्देसर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) ८

१. *खुशाल भट्ट का ऐश्वर्य ।*

अथवा

नि:स्नेही पर्वतभाई ।

२. *स्वामीश्री की भक्तों के प्रति आत्मीयता ।*

अथवा

नि:स्वादी प्रमुखस्वामी महाराज।

प्र. १२. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। ६

१. *रघुवीरजी महाराज के लिये गुणातीतानंद स्वामी क्या कहते थे ?*

२. *पर्वतभाई ने षट्रस के नियम क्यों लिये ?*

३. *प्रथम दर्शन के समय कुशलकुंवरबा ने महाराज से क्या कहा ?*

४. *ग्राम्यवार्ता में रुचि नहीं रखनेवाले शिवलाल शेठ अपनी दुकान में किन तीन चीजें रखते थे ?*

५. *निष्कुलानंद स्वामी रचित तीन ग्रंथों के नाम लीखिए ।*

६. *प्रमुखस्वामी महाराज ने किन दो गाँवों के अपैये छुड़वाएँ ?*

प्र. १३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । ६

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. *कुशलकुंवरबा को कौन-से नियम थे ?*

(अ) सदाव्रत देना । (ब) तीर्थवासिओं का चरणस्पर्श करना ।

(क) साधु संतों को हाथी पर बिठाना । (ड) देवदर्शन के लिये जाना ।

२. *गोपालानंद स्वामी की साहित्य सेवा ।*

(अ) उपनिषद् भाष्य । (ब) पुराण भाष्य ।

(क) गीता भाष्य । (ड) ब्रह्मसूत्र भाष्य ।

३. *मुक्तानंद स्वामी द्वारा रचित किर्तन.....*

(अ) भ्रमणा भांगी रे हैयानी .....

(ब) संत विना साची कोण कहे.....

(क) माई री मैं पुरुषोत्तम वर पायो.....

(ड) अनुभवी आनंदमां ब्रह्मरसना भोगी रे.....

(विभाग - ३ : निबन्ध)

प्र. १४. निम्न में से किसी भी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । २०

१. *हिन्दु संस्कृति का पोषक और संवर्धक - अक्षरधाम ।*

२. *सर्वोपरी उपासना के प्रवर्तक - गुणातीतानंद स्वामी ।*

३. *स्थितप्रज्ञ पुरुष प्रमुखस्वामी महाराज ।*